इंदिरा नूई – मुख्य कार्यकारी अधिकारी

इन्दिरा नूई का जन्म मद्रास की धूप और संस्कृति में रचे-बसे शहर में हुआ था। बचपन से ही उनके दिल में ऊंची उड़ान भरने के सपने पलते थे।

जवान होकर इन्दिरा ने आईआईएम कलकत्ता और फिर अमेरिका के येल विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से शिक्षा पाई। अपने सपने को हक़ीक़त बनाने के लिए इन्दिरा ने जुनून और दृढ़ता से काम किया।

आख़िरकार, साल 2006 में उनकी मेहनत और प्रतिभा ने इतिहास रचा जब वह दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक, पेप्सिको की CEO बनीं। यह एक भारतीय महिला का वैश्विक कॉर्पोरेट जगत के शिखर पर पहुँचना था – एक ऐसा पल जिसने करोड़ों आँखों में उम्मीद जगा दी।

इन्दिरा सिर्फ़ एक CEO नहीं बनीं, बल्कि उन्होंने 'परफॉरमेंस विद पर्पस' (मकसद के साथ प्रदर्शन) का सिद्धांत दिया। उन्होंने महसूस किया कि सिर्फ़ मुनाफा कमाना काफ़ी नहीं, बल्कि व्यापार को समाज और सेहत के प्रति ज़िम्मेदार बनाना भी ज़रूरी है।
वह अपनी भारतीय पहचान, अपनी साड़ी और अपनी संस्कृति को गर्व से साथ लेकर चलीं, यह दिखाते हुए कि सफलता के लिए अपनी जड़ों को छोड़ना ज़रूरी नहीं।

इन्दिरा नूई की कहानी हर भारतीय को यह प्रेरणा देती है—
"अपने सपनों का कद ऊँचा रखो,
उन्हें पाने के लिए अटूट मेहनत करो,
और अपनी पहचान पर गर्व करो। क्योंकि जब
तुम सच्ची लगन और अपने मूल्यों के साथ आगे बढ़ोगे,
तो दुनिया का कोई भी शिखर तुमसे दूर नहीं।
हर कोशिश तुम्हें मंज़िल के करीब ले जाती है।"

READ MORE STORIES ON
www.bharatkibetiyokikahaniyaan.com/

https://bharatkibetiyokikahaniyaan.com/
https://bharatkibetiyokikahaniyaan.com/